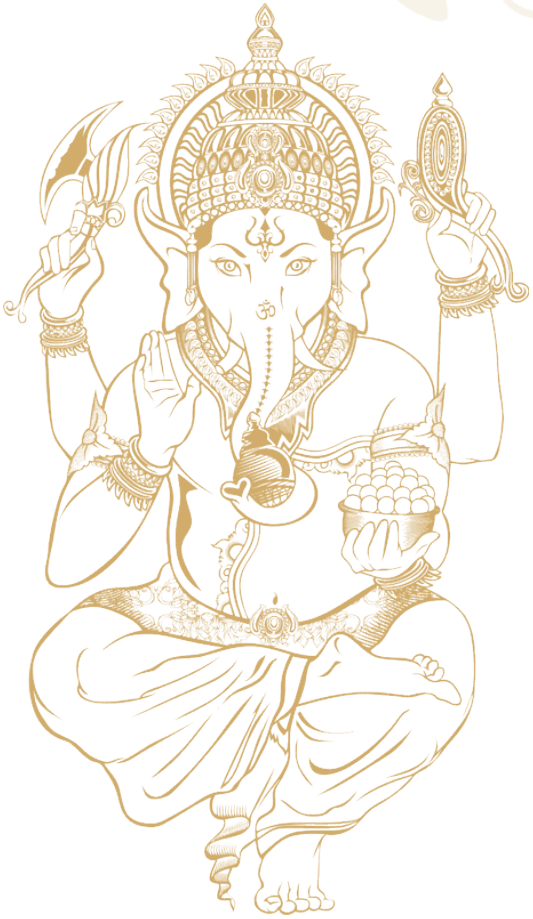

Mr. ?????

02 Jan 1977

11:30 PM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119446803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/01/1977**
दिन	रविवार
जन्म समय	**23:30:55 घंटे**
इष्ट	40:28:17 घटी
स्थान	**Udaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	73:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:56:03 घंटे
वेलान्तर	-00:04:00 घंटे
साम्पातिक काल	05:45:04 घंटे
सूर्योदय	07:19:36 घंटे
सूर्यास्त	17:58:16 घंटे
दिनमान	10:38:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:42:32 धनु
लग्न के अंश	03:04:12 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुभ
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:04:12	328:11:37	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			धनु	18:42:32	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	17:34:48	12:02:16	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	धनु	07:44:57	00:44:54	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध	व	अ	धनु	26:48:13	01:02:29	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		मेष	27:54:47	00:02:37	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	04:27:13	01:07:26	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	22:11:13	00:03:38	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	07:27:52	00:08:09	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	07:27:52	00:08:09	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
हर्ष			तुला	17:24:44	00:02:15	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
नेप			वृश्चि	21:10:28	00:02:04	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो			कन्या	20:35:54	00:00:29	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	03:02:21	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:18

लग्न-चलित

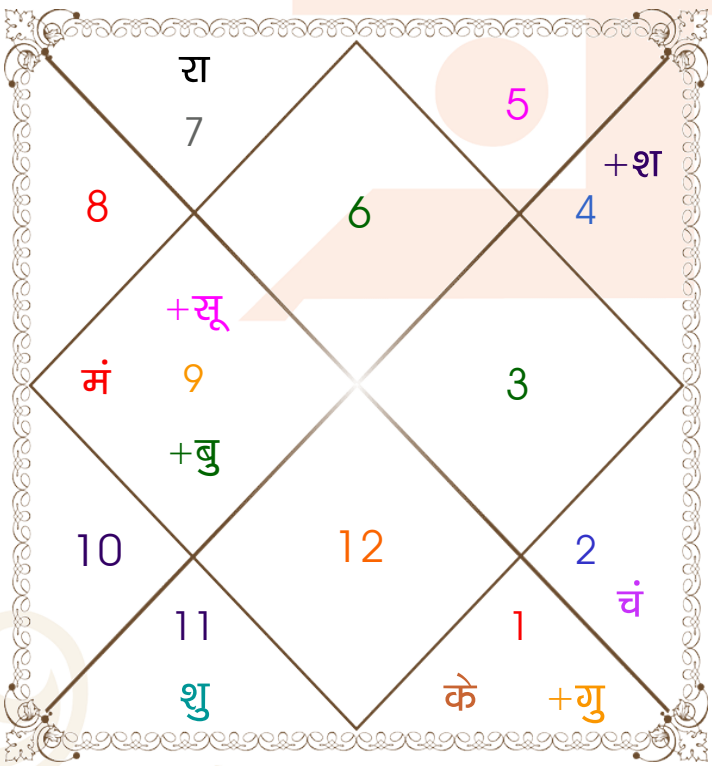

चन्द्र कुंडली

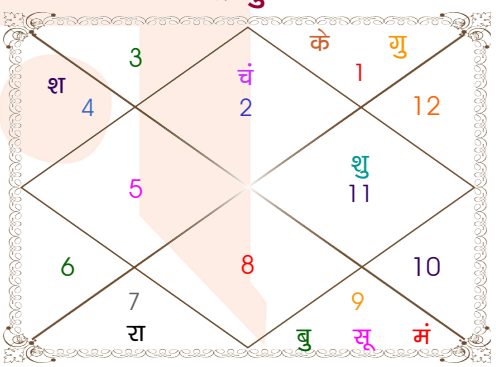

नवमांश कुंडली

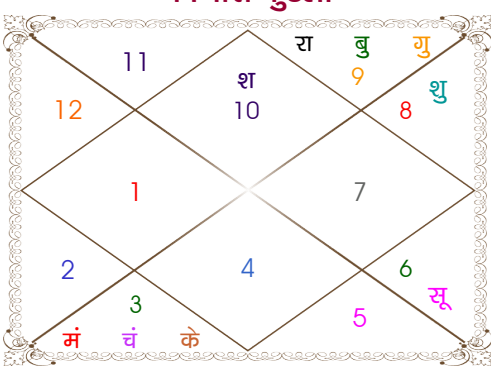

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 3 मास 23 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/01/1977		27/04/1981		27/04/1988		28/04/2006		28/04/2022	
27/04/1981		27/04/1988		28/04/2006		28/04/2022		27/04/2041	
	00/00/0000	मंगल	24/09/1981	राहु	08/01/1991	गुरु	15/06/2008	शनि	01/05/2025
	00/00/0000	राहु	12/10/1982	गुरु	03/06/1993	शनि	27/12/2010	बुध	09/01/2028
	00/00/0000	गुरु	18/09/1983	शनि	09/04/1996	बुध	03/04/2013	केतु	16/02/2029
	02/01/1977	शनि	27/10/1984	बुध	27/10/1998	केतु	10/03/2014	शुक्र	18/04/2032
शनि	26/02/1977	बुध	24/10/1985	केतु	15/11/1999	शुक्र	08/11/2016	सूर्य	31/03/2033
बुध	28/07/1978	केतु	22/03/1986	शुक्र	15/11/2002	सूर्य	27/08/2017	चंद्र	30/10/2034
केतु	26/02/1979	शुक्र	22/05/1987	सूर्य	09/10/2003	चंद्र	27/12/2018	मंगल	09/12/2035
शुक्र	27/10/1980	सूर्य	27/09/1987	चंद्र	09/04/2005	मंगल	03/12/2019	राहु	15/10/2038
सूर्य	27/04/1981	चंद्र	27/04/1988	मंगल	28/04/2006	राहु	28/04/2022	गुरु	27/04/2041

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/04/2041		28/04/2058		27/04/2065		27/04/2085		28/04/2091	
28/04/2058		27/04/2065		27/04/2085		28/04/2091		00/00/0000	
बुध	24/09/2043	केतु	24/09/2058	शुक्र	27/08/2068	सूर्य	15/08/2085	चंद्र	26/02/2092
केतु	20/09/2044	शुक्र	24/11/2059	सूर्य	27/08/2069	चंद्र	14/02/2086	मंगल	26/09/2092
शुक्र	22/07/2047	सूर्य	31/03/2060	चंद्र	28/04/2071	मंगल	22/06/2086	राहु	28/03/2094
सूर्य	28/05/2048	चंद्र	30/10/2060	मंगल	27/06/2072	राहु	16/05/2087	गुरु	28/07/2095
चंद्र	27/10/2049	मंगल	28/03/2061	राहु	28/06/2075	गुरु	03/03/2088	शनि	02/01/2097
मंगल	24/10/2050	राहु	16/04/2062	गुरु	26/02/2078	शनि	13/02/2089		00/00/0000
राहु	13/05/2053	गुरु	22/03/2063	शनि	27/04/2081	बुध	21/12/2089		00/00/0000
गुरु	19/08/2055	शनि	30/04/2064	बुध	26/02/2084	केतु	28/04/2090		00/00/0000
शनि	28/04/2058	बुध	27/04/2065	केतु	27/04/2085	शुक्र	28/04/2091		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 3 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।